ऐसे और ब्योरा उस जायदाद का जिसका पता न दस्तावेज में है (ऐक्ट १६ बाबत् सन् १८०८ ई० की दफा २१)

जिले का नाम	तहसील और परगने का नाम	गांव का नाम	उस जायदाद के दूसरे ब्योरे ऐक्ट १६ बाबत् सन् १८०८ ई० की दफा २१ के अनुसार और तारीख तरमीम	मामले की किस्म और मालियत	स्टाम्प की मालियत
मुरादाबाद	बाद	मझोली	आराजी मूमिदारी नम्बरी व खाते जैल मय इमारात 370/2, 371, 372, 373, 379/1. कुल द: बिस्वे खाके दो स्याह दिखाई डिसमिस	बयनामा 6000/-	150/- 30/-
			14 सितम्बर सन् 1925 ई०		180/-

दस्तावेज की नकल

यह कि मौसमी प्रेमकुँवर पुत्री श्री रघुनाथ राय बेवा साहू प्रसादी नाबालिग के सरपरस्त चाचा बैजनाथ पुत्र जगन्नाथ तथा मुकद्दमा मुरादाबाद की हूँ। जोकि आराजी मूमिदारी नम्बरी व खाते जैल मय इमारात मौजूदा वाके मौजा मझोली परगना व जिला मुरादाबाद की मुकिर जरिये बयनामा इकरारी श्रीमति गंगा बेवा लाला गुलाब लाल मुरीखा 17 जुलाई सन् 1925 ई० जिसकी रजि० दफ्तर सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद में बही नं० 2 सफ्हा किताब 502 के सफ्हा 198/199 में नं० 14495 पर बता: 25 अगस्त सन् 1925 ई० हुई है मुकिर कायम है और मुजादास आराजी के मुकिर ने कारोबार व कोठी व दुकानात व रुपया व पुरानी व नई पश्म वगैरा वाके कराये थे आराजी व इमारात मजकूरा तथा नम्बरी व खाते जैल मुकिर को दिये जाने व कब्जा मुकिर तहवील पाकर वसूल है अब मुकिर ने बनाये अस्तबल खानगी वगैरा अपने खर्च से तामीर आराजी मौजूदा मय मुकिर कुवाटर कोठी व दुकान व चाह पुख्ता व नल व आराजी नम्बरी व खाते जैल मय कुछ कोठरी व कोठी दिखाये पड़े हुये हैं और कुछ बजाय नकद शीशमहल व मुकद्दमा हा पड़े मय जमीन कुल 6000/- हजार रुपये बदौल लाला राम बहादुर व लाला राम कृपाल पिसरान श्री लछमी प्रसाद साहब कौम खत्री साकिन मुरादाबाद मुकिर को बखेजा व बयाना के कोठी व कुवाटर व दुकान मौजूदा मुकिर को बेचकर मुकिर ने वसूल पाया आराजी व इमारात मुकिर ने अपना खर्चा व दखल इयाद मुकिर को कब्जा मिल अपने कर दिया, अब मुकिर का कोई हक व तालुक बाकी नहीं रहा, मुकिर को हक हासिल है कि वह आराजी मूमिदारी का नाम खारिज कराकर अपना नाम दर्ज करा जात सरकारी में कराने और कब्जा से मुकिर या उसके वारिस को बेदखल करने, तंग करने किसी किस्म से या दावे किसी शख्स के शख्स मुकिर या मुन्तकिल मुकिर को निकाल जावेगी तो उसका खर्चा व जरर सरकार मय खर्चा व हर्जा मुकिर अपनी जात व जायदाद हर किस्म से मुकिर को देना व अदा करेंगे, गरजे कि जो जो इक्सर व इन्तजामात मुकिर शख्स मुकिर या वारिस के वह सब और कुल आराजी बनफ्स मुकिर को मिल गये, मुकिर को कुछ [illegible] बाकी नहीं रहा यह बयनामा लिख दिया कि सनद रहे और वक्त पर काम आवे।

जिलेदार अमिलेखागार
जनपद, मुरादाबाद
सत्य प्रतिलिपि

[illegible] बाजार—1111 रजिस्ट्रेशन फार्म नं० 1 8—5,000 किताब

क्रमांक	वल्दीयत	वहसीयत और परगने का नाम	गांव का नाम	जिस जायदाद के दूसरे ब्यौरे ऐक्ट १९ बाबत सन १८८२ ई० की दफा २१ के अनुसार और तारीख तकमील	[illegible]	[illegible]

हस्ताक्षर के नकल

— वकीलों

तफसील खाजी मूसिबरी अप कुवारसी मुबैया,

नम्बर — रकबा — तफसील

370/1 तीन सौ सत्तर बराबर — 0 — 37 सैंतीस डिसमिल — जुब [illegible] वजुल हद्दत राजकुवारसी।

370/2 तीन सौ सत्तर बराबर — 0 — 50 पचास डिसमिल कुवारसी नाली है।

371 तीन सौ इकहत्तर — 0 — 9 नौ " राजा कुतलिद कुवारसी मुबैया

372 तीन सौ बहत्तर — 1-42 एक बीघा बयालिस " काश्त

373 तीन सौ तिहत्तर — 0 — 32 बत्तीस डिसमिल "

379 तीन सौ उन्यासी बराबर — 0 — 6 छः डिसमिल उफतादा

कुल 5 : मकूबे — 4 — 9 — 14 — 61 — है० एकड़ डिसमिल डिसमिल — 2 — 16.

[illegible] चौधा सिम्बत सन् उन्नीस सौ इकसठ ईसवी बइबरा मुबिया बकलम इलजा हैसियत वालिद मुरसिया बाद हुई उजरत [illegible]) अ० प्रेमकुंवर गवाह Jagdish Prasad गवाह Sd Ramesh Prasad Sd अ० प्रेमकुंवर गवाह Jagdish Prasad गवाह Sd Ramesh Prasad अ० प्रेमकुंवर गवाह Jagdish Prasad गवाह Ramesh Prasad गवाह इलजा हैसियत [illegible] आज दिनांक 14.9.61. को रजिस्ट्री किता रजिस्टर्ड [illegible] पचास वाली प्रकाशनार्थ [illegible] वल्दीयत [illegible] पुत्र श्री नवलकिशोर प्रसाद सा० मुरादाबाद [illegible] दायों खजाने [illegible] मुरादाबाद से बचा सत प्रकाश 14.9.61 रजिस्ट्री बैंक [illegible] 1501- जनरल तीस रुपया वाली प्रकाशनार्थ वास्तुन वल्दीयत [illegible] पुत्र नवलकिशोर प्रसाद सा० मुरादाबाद [illegible] दायों खजाने [illegible] मुरादाबाद से बचा सत प्रकाश 14.9.61 रजिस्ट्री बैंक [illegible] 73/25 अनरल 2/25 शब्द 100 श्रीमती प्रेमकुंवर जौजा साहू परशादीलाल निवासी बटरा पूरनजार मुरादाबाद [illegible] मुरादाबाद में आज दिनांक 14.9.61 को [illegible] प्रस्तुत की। Sd. C.S. Sharma. S.R. प्रेमकुंवर इकरार पर बास्तुपादन उपरोक्त श्रीमती प्रेमकुंवर [illegible] 14.9.61 [illegible] रुपये वसूल किया जिनकी पहचान

बही नम्बर १ दस्तावेज का सिलसिले का नम्बर

बोध और ब्यौरा उस जायदाद का जिसका वर्णन दस्तावेज में है (ऐक्ट १६ बाबत् सन् १८०८ ई० की दफा २१)				नामजे की किस्म और मालियत	स्टाम्प की मालियत
जिले का नाम	तहसील और परगने का नाम	गाँव का नाम	उस जायदाद के दूसरे ब्यौरे ऐक्ट १६ बाबत् सन् १८०८ ई० की दफा २१ के अनुसार और तारीख नक़्शा		

दस्तावेज की नकल

जगदीशप्रसाद पुत्र साहू प्रसादीलाल — व श्री रमेशप्रसाद पुत्र प्रसादीलाल साकिनान बहेड़ी तहसील मुरादाबाद तथा। Sd. R. S. Sharma. S.R. प्रेमकुंवर (संख्या) व श्री ~~[illegible]~~ Jagdish Prasad (संख्या) व Ramesh Prasad (संख्या) पक्षकारान मुकदमा के बयान के ~~[illegible]~~ में प्रतीत होते हैं। विक्रयपूर्व कार्यवाही पूर्ण है। Sd. R. S. Sharma. S.R. बही नम्बर १ जिल्द नम्बर ०२२ के पृष्ठ २४४ से २४६ में ता० २७ मई १९७१ पर मुजल्दिद० रजि० ६.१६ की दि० को सम्पादित की। Sd. R. S. Sharma. S.R.

Checked by: K.U. Mishra

Compared by: B.P. Upadhya

True Copy

S.R.

केन्द्रीय अभिलेखागार
जनपद, मुरादाबाद
सत्य प्रतिलिपि